नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

बिरसा के आदर्शों को अपनाएं छात्र- कुलपति मिश्र

हिंदी विश्वविद्यालय में बिरसा मुण्डा जयंती समारोह

वर्धा दि. 18 नवंबर 2015: बिरसा मुंडा जननायक थे। ऐसे लोग हजारों वर्षों में एक बार जन्म लेते हैं जिनका उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरूतियों को खत्म कर समाज में अलख जगाना होता है। भारतीय इतिहास में बिरसा ने विशिष्ट उपस्थिति दर्ज कराई है। उक्त बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र कही। वे विश्वविद्यालय में बिरसा मुंडा के 140वीं जयंती पर बिरसा मुंडा छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में वक्तव्य दे रहे थे।

छात्रों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए आदिवासी वनांचलों में अंग्रेजी राज्य के अधीन होने के वाबजूद पराधिनता का अदभूत प्रतिमान दिया। उनकी यह लड़ाई युद्ध के समान थी। बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बिरसा में समाज की चिंता थी। आज समाज की चिंता करने वालों में कमी दिख रही है जो देश और समाज के लिए चिंतनीय है। आज लड़ाई अपनों से हो रही है। ऐसे में हमें बिरसा के आदर्शों को अपनाते हुए सामाजिक विकास के लिए आगे आना होगा।

इस अवसर पर बिरसा मुंडा छात्रावास के अधीक्षक डॉ. धरवेश कठेरिया ने बिरसा के जीवन परिचय के साथ उनसे जुड़ी प्रेरणादायी कहानियों का जिक्र किया और बताया कि बिरसा समाज के किसी बंधन में नहीं बंधे। बिरसा ने समाज के पीछड़ों, शोषित वर्ग के लिए जीवन जीने का मंत्र दिया। हमलोगों को बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेनी चाहिए और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। समारोह में छात्रावास के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते हुए बिरसा मुंडा

को अभिवादन किया।

बिरसा मुंडाचा आदर्श घ्यावा – कुलगुरु प्रो. मिश्र
हिंदी विश्वविद्यालयात बिरसा मुंडा जयंती समारोह

वर्धा दि. 18 नोव्हेंबर 2015: बिरसा मुंडा जननायक होते. त्यांनी समाजात व्याप्त कुप्रथा नष्ट करण्यासाठी समाजाची जागृती केली. भारतीय इतिहासात बिरसा मुंडा यांचे अनन्यसाधारण स्थान आहे. विद्यार्थ्यांनी बिरसा मुंडा यांचा आदर्श जीवनात उतरविला पाहिजे असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु गिरीश्वर मिश्र यांनी बिरसा मुंडा यांच्या 140व्या जयंती निमित्त बिरसा मुंडा वसतिगृहात आयोजित कार्यक्रम कार्यक्रमात केले.

प्रो. मिश्र म्हणाले की बिरसा मुंडा यांनी अदम्य साहसाचा परिचय देत आदिवासी वनांचलांमध्ये इंग्रजांशी लढा दिला. त्यांचा हा लढा एका युद्धासारखाच होता. त्यांनी समाजाची चिंता केली आणि लोकांच्या उन्नतीसाठी संघर्ष केला. त्यांच्या आदर्शाचे बिजारोपण युवापीढीत झाले पाहिजे अशी अपेक्षाही प्रो. मिश्र यांनी व्यक्त केली.

बिरसा मुंडा वसतिगृहाचे अधीक्षक डॉ. धरवेश कठेरिया यांनी बिरसा मुंडा यांचा जीवन परिचय सांगितला. ते म्हणाले की बिरसा मुंडा यांनी समाजातील मागास आणि शोषित घटकांना जीवन जगण्याचा मंत्र दिला आणि त्यांच्या विकासासाठी लढा उभारला. त्यांच्या कार्याची प्रेरणा विद्यार्थ्यांनी घेतली पाहिजे असेही ते म्हणाले. यावेळी विद्यार्थ्यांनी विविध प्रकारचे सांस्कृतिक कार्यक्रम सादर करून बिरसा मुंडा यांना अभिवादन केले.